देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

विश्वविद्यालय भवन
इन्दौर 452001

क.शैक्ष./पाठ्य/अधि./ 2021/2467 दिनांक 29 OCT 2021

//अधिसूचना//

एत्दद्वारा सर्व सम्बन्धितों की सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है, कि एम.ए, नृत्य का सत्र् 2021--22 से प्रथम द्वितीय तथा 2022–23 तृतीय चतुर्थ सेमेस्टर का पाठ्यकम वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, कृपया उसे डाउनलोड कर उसी अनुसार अध्ययन अध्यापन किया जावे ।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार

आदेशानुसार

कुलसचिव

क./पृष्ठां/शैक्ष./अधि./2021/2467 इन्दौर,दिनांक 29 OCT 2021

प्रतिलिपि :–

1 .प्राचार्य/प्राचार्या समस्त महाविद्यालय, दे.अ.वि.वि.इन्दौर।
2. विभागाध्यक्ष, आय.टी. सेन्टर की ओर इस निवेदन के साथ की वे इस अधिसूचना को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करें ।
3. कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निज सहायक ।
4. उपकुलसचिव/सहायक कुलसचिव (परीक्षा/गोपनीय)
5. सम्बन्धित सहायक संकाय (परीक्षा/गोपनीय)
6. निदेशक,महाविद्यालयीन विकास परिषद दे.अ.वि.वि. इन्दौर ।
7. डीन, छात्र कल्याण दे.अ.वि.वि. इन्दौर ।

उप–कुलसचिव
(शैक्षणिक)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - प्रथम

प्रश्नपत्र – प्रथम सैद्धान्तिक

इकाई-1	• दक्षिण पूर्वी ऐशियाई नृत्यों पर भारतीय नृत्यकला का प्रभाव। • निम्नलिखित दक्षिण पूर्वी ऐशियाई देशों के नृत्यों का संक्षिप्त परिचय - (i) इन्डोनेशिया (ii) थाइलैण्ड • बैले की उत्पत्ति, इतिहास एवं विकास • आधुनिक नृत्य - (i) नृत्य नाटिका (ii) संगीतिका
इकाई-2	• करण, अंगहार, रेचक, पिण्डबन्ध, स्थान • हस्ताभिनय :- असंयुक्त एवं संयुक्त हस्त, दशावतार हस्त, जाति हस्त
इकाई-3	• रस का स्वरूप, भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव, रसों की संख्या, रसों के प्रकार • नायक भेद – नायक के लक्षण, सात्विक गुण नायक भेद – स्वभाव, धर्म एवं अवस्थानुसार
इकाई-4	• ताल एवं लय • ताल शब्द की व्याख्या • ताल की उत्पत्ति • ताल के दशप्राण • लय की परिभाषा एवं प्रकार • लय प्रस्तार – • विभिन्न प्रकार की लयकारियों को लिखने का अभ्यास
इकाई-5	निम्नलिखित तालों में बोलों का लिपिबद्ध करना – (i) त्रिताल (ii) एकताल (iii) झपताल (iv) पंचमसवारी (v) रास

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर) (प्रो. एच. डी. ठाकुर) (प्रो. विनीता वर्मा) (प्रो. रूपश्री दुबे ठाकुर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - प्रथम

प्रश्नपत्र – द्वितीय सैद्धान्तिक

इकाई-1	भारतीय नृत्यकला का इतिहास प्रागैतिहासिक काल, वैदिक काल, रामायण काल, महाभारत काल, जैन व बौद्ध धर्म के अभ्युदय का काल।
इकाई-2	भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों का परिचय – (i) कथक (ii) भरतनाट्यम (iii) मणिपुरी • नृत्य नाट्यों का परिचय – रामलीला, नौटंकी।
इकाई-3	ग्रन्थ परिचय – • भरतनाट्यशास्त्र एवं अभिनय दर्पण का सम्पूर्ण अध्ययन। • मध्यकालीन निम्नलिखित ग्रंथों का संक्षिप्त परिचय – (i) संगीत रत्नाकार – आचार्य शार्ङगदेव (ii) दशरूपक – आचार्य धनंजय (iii) रसार्णव सुधाकर – सिंह भूपाल (iv) नाट्यदर्पण – रामचन्द्र गुणचन्द्र (v) नर्तन निर्णय – पुण्डरीक (vi) संगीत समयसार - आचार्य पार्श्वदेव
इकाई-4	नवाब वाजिदअली शाह एवं राजा चक्रधर सिंह का कथक नृत्य के विकास में योगदान।
इकाई-5	निबंध लेखन - (250 शब्दों में) (i) शास्त्रीय एवं लोकनृत्य। (ii) नृत्य की गुरू शिष्य परम्परा। (iii) नृत्य से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक लाभ। (iv) शास्त्रीय नृत्य में संगतकलाकारों का महत्व।

S.Nare

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - प्रथम

प्रश्नपत्र – प्रथम प्रयोगिक

ताल नर्तन

इकाई-1	तीन ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की विशेष क्षमता।
इकाई-2	निम्नलिखित अप्रचलित तालों में से किसी एक ताल में सम्पूर्ण नर्तन – पंचमसवारी, रासताल ।
इकाई-3	क्रमलय , तत्कार के पल्टे
इकाई-4	द्रुत गति में पैरों की तैयारी
इकाई-5	उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय।

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - प्रथम

प्रश्नपत्र – प्रायोगिक द्वितीय

अभिनय एवं नृत्त व नृत्य संरचना

इकाई-1	गणेश अथवा शिव स्तुति / वन्दना पर भाव प्रदर्शन। दादरा या कहरवा पर आधारित गीत पर भाव प्रदर्शन।
इकाई-2	परिष्कृत प्रकार की गत (गत निकास), घूंघट के प्रकार, रुखसार, आँचल, मटकी, मुरली, छेड़छाड़
इकाई-3	निम्न में से किसी एक कथानक पर गतभाव – द्रोपदी चीर हरण, जटायु मोक्ष, कालिया दमन, गोवर्धन धारण।
इकाई-4	भजन पर भाव प्रदर्शन।
इकाई-5	निम्न अष्टनायिका पर भाव प्रदर्शन (कोई दो) प्रोषित पतिका, अभिसारिका, स्वाधीनपतिका, उत्कंठिता।

S. Har

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर – द्वितीय

प्रश्नपत्र – प्रथम सैद्धान्तिक

इकाई-1	• निम्नलिखित दक्षिण पूर्वी ऐशियाई देशों के नृत्यों का संक्षिप्त परिचय - (i) बर्मा, (ii) थाइलैण्ड, (iii) फिलीपींस
इकाई-2	पाश्चात्य नृत्यकला का परिचय – (i) बालरूम डांस (ii) ओपेरा।
इकाई-3	चारी, मण्डल, भ्रमरी, उत्प्लवन भेद, गति भेद, अभिनय भेद। अभिनयदर्पणानुसार हस्ताभिनय :- देवहस्त, नवग्रह हस्त, बाँधव हस्त।
इकाई-4	ताल- शब्दावली – परिभाषाएं – - जरब, क्रमलय, उठान, बाँट, लडी, दमदार – बेदमदार।
इकाई-5	किसी भी ताल में निम्नलिखित बोलों को लिखने का अभ्यास – • नौहक्का • दुपल्ली • त्रिपल्ली • चौपल्ली

S. Nair

(डॉ. सुचिना हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - द्वितीय

प्रश्नपत्र – द्वितीय सैद्धान्तिक

इकाई-1	• पूर्वमध्यकाल एवं इस्लामी सत्ताकाल में भारतीय नृत्यकला के विकास की जानकारी। • स्वतंत्र भारत में नृत्यकला का विकास।
इकाई-2	• पारम्परिक नृत्य नाट्य – यक्षगान, नक्काली का संक्षिप्त परिचय।
इकाई-3	• कथक नृत्य का सम्पूर्ण परिचय – • कथक शब्द की व्युत्पत्ति व अर्थ • कथक शब्द की प्रयोग परम्परा • कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास
इकाई-4	• कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का उद्भव, विकास व विशेषताएं। लखनऊ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना, रायगढ़ घराना।
इकाई-5	• रासलीला एवं कथक नृत्य का सहसंबंध • म.प्र. के पारम्परिक लोक नृत्यों का सामान्य परिचय। मालवा – मटकी, आडाखड़ा, रजवाड़ी, गणगौर बुन्देलखण्ड – राई, बधाई, सेरा बघेलखण्ड – अहिराई, दादर निमाड़ – काठी, डंडा, गणगौर ग्वालियर – दुलदुल घोड़ी, बांगोरिया आदिवासी – भगोरिया, कर्मा, सेला

S. Name

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - द्वितीय

प्रश्नपत्र – प्रथम प्रयोगिक

इकाई-1	निम्नलिखित प्रचलित तालों में से किसी एक ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की क्षमता – धमार, रूपक, झपताल, एकताल
इकाई-2	निम्नलिखित अप्रचलित तालों में से किसी एक ताल में प्रदर्शन – बसंत, अष्टमंगल • ठेका । • तत्कार – दुगुन, चौगुन • कोई चार बंदिशें (जिनमें से एक चक्करदार आवश्यक है) • दो तिहाई
इकाई-3	नौहक्का, जाति परन, फरमाईशी, दुपल्ली, त्रिपल्ली व चौपल्ली परनों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
इकाई-4	बोलजाति, जरब
इकाई-5	उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय।

S. Nam

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

V. Verma

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - द्वितीय

प्रश्नपत्र – प्रायोगिक द्वितीय

<u>अभिनय</u>

इकाई-1	कृष्ण अथवा राम वन्दना / स्तुति पर भाव
इकाई-2	निम्नलिखित कथानकों में से किसी एक कथानक पर गतभाव – माखन चोरी, होली, सीताहरण, मदन दहन
इकाई-3	किसी एक ठुमरी पर भाव प्रदर्शन
इकाई-4	तराना
इकाई-5	प्रथम सेमेस्टर में किए गए प्रायोगिक कार्य की पुनरावृत्ति।

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर – तृतीय

प्रश्नपत्र – प्रथम सैद्धान्तिक

इकाई-1	• नाट्यशास्त्र का परिचय – नाट्यशास्त्र के समस्त अध्यायों की विषयवस्तु का विस्तृत विवेचन। • नाट्यशास्त्र के निम्न व्याख्याकारों का संक्षिप्त परिचय – भट्ट उद्भट्ट, भट्ट लोल्लट, श्री शंकुक, भट्ट नायक, आचार्य कीर्तिधर, नान्यदेव, भट्टतोत, अभिनय गुप्त।
इकाई-2	• भारतीय रंगमंच का स्वरूप व परम्परा। • भरत वर्णित नाट्य शालाएं। • रंग मण्डप का विकास। • भरत नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्यगृह की निर्माण विधि।
इकाई-3	• पूर्वरंग – पूर्वरंग का विधान, पूर्वरंग के अंग, नान्दी, प्रस्तावना, पूर्वरंग के विभेद।
इकाई-4	• आंगिक अभिनय के अंतर्गत भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार शीश, भृकुटी, दृष्टि, उर एवं कटि भेद। • परिभाषाएं – औघट, उरमाई, उरप, तिरप, सुलप, जमनका, स्तुति, पोहपार्जुरी, लागडॉट, धिलांग, शुद्धमुद्रा, सुढ़ंग, त्रिभंग, घुमरिया, चंक्रमण, चेलाचल, छन्द, सरन।
इकाई-5	• चतुरंग, त्रिवट, तराना, ध्रुपद, गजल, गीत, भजन, कजरी, चेती, ठुमरी आदि गीति प्रकारों का अध्ययन।

S. Nari

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - तृतीय

प्रश्नपत्र – द्वितीय सैद्धान्तिक

इकाई-1	• निबंध लेखन – किसी एक विषय पर (i) नृत्य एवं योग का सहसंबंध। (ii) नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध। (iii) नृत्यों का चलचित्रों में प्रयोग। (iv) कृष्ण चरित्र का कथक नृत्य शैली पर प्रभाव। (v) नृत्य विषयक भारतीय परिकल्पना।
इकाई-2	• निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी – (i) नृत्य शिक्षण की महाविद्यालयीन शिक्षण पद्धति। (ii) नृत्य की ऑनलाइन शिक्षण पद्धति। (iii) संगीत नृत्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन का योगदान। (iv) वर्तमान समय में नृत्य के क्षेत्र मैं रोजगार की सम्भावनायें।
इकाई-3	• कथक नृत्य में आये बदलाव की जानकारी निम्न बिन्दुओं के आधार पर – प्रदर्शनक्रम, मेकअप, वेशभूषा, साहित्य / अभिनय की विषय वस्तु, संगीत वाद्य, ध्वनि प्रकाश, नवीन प्रयोग
इकाई-4	• परिभाषायें उदाहरण सहित लिखिये – नौहक्का, फरद, जाति परन, फरमाईशी, कमाली, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली।
इकाई-5	• निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबद्ध करना - रासताल, शिखर, पंचमसवारी, धमार, झपताल।

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - तृतीय

प्रश्नपत्र – प्रथम प्रयोगिक

ताल नर्तन

इकाई-1	निम्नलिखित अप्रचलित तालों में से किसी एक ताल पर सम्पूर्ण नर्तन – रूद्र, पंचमसवारी एवं शिखर ताल।
इकाई-2	त्रिताल के अतिरिक्त किसी भी एक प्रचलित ताल में नृत्य प्रदर्शन की क्षमता।
इकाई-3	पिछली कक्षा में सीखे गये प्रायोगिक पक्ष की पुनरावृत्ती

21.9.2021

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर - तृतीय

प्रश्नपत्र – प्रायोगिक द्वितीय

अभिनय

इकाई-1	देवी स्तुति / वंदना
इकाई-2	अष्टपदी / चतुरंग / होरी – किन्ही एक पर भावआधारित नृत्य रचना।
इकाई-3	निम्न अष्टनायिकाओं में से किन्ही दो पर भाव प्रदर्शन की क्षमता। • विप्रलब्धा • खण्डिता • कलहान्तरिता • वासकसज्जा
इकाई-4	नवरसों का क्रियात्मक प्रदर्शन
इकाई-5	परिष्कृत प्रकार की गते (गत निकास)

(डॉ. सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर – चतुर्थ

प्रश्नपत्र – प्रथम सैद्धान्तिक

इकाई-1	• कथक नृत्य का वर्तमान स्वरूप • कथक का प्रदर्शनक्रम • कथक एवं नटवरी नृत्य • कथक में ठुमरी का महत्व
इकाई-2	• ताण्डव व लास्य नृत्य – उत्पत्ति, परिभाषा एवं प्रकार। • निम्न पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान -- हाव, भाव, कटाक्ष, अंदाज, व्यूह-क्रिया, सप्त पदार्थ, सप्त अवयव, सप्त माल, न्यास-विन्यास, सोलह श्रृंगार, सोलह अंग, बारह आभूषण। • हस्ताभिनय :- असंयुक्त एवं संयुक्त हस्त, दशावतार हस्त, जाति हस्त
इकाई-3	• कथक के नृत्तांग का सामान्य परिचय। • नृत्तांग के मूलभूत तत्व – हस्तक, भ्रमरी, ताल प्रबंध, विशुद्ध नृत्य के बोल, तबला पखावज के बोल व परमेलू का तात्विक अध्ययन।
इकाई-4	• कथक शैली के भाव प्रदर्शन की विधियाँ -- नयन भाव, बोल भाव, समाभाव, अर्थभाव, नृत्य भाव, गतअर्थ भाव, अंगभाव, गतभाव व कवित्त। • कथक के भाव प्रदर्शन की विशेषतायें।
इकाई-5	• नृत्य-नाट्य के मंच प्रदर्शन की आधुनिक विधियाँ – आलेख लेखन, संगीत रचना, नृत्य निर्देशन, ध्वनि एवं प्रकाश योजना, मंच व्यवस्था, मंच परिकल्पना। • नृत्य के विकास व प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका।

(डॉ॰ सुचित्रा हरमलकर)

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर – चतुर्थ

प्रश्नपत्र – द्वितीय सैद्धान्तिक

इकाई-1	दिये गये कथानकों पर निम्न बिन्दुओं के आधार पर नृत्य नाटिका की संरचना – विषयवस्तु, पात्रचयन, मंचसज्जा, प्रकाश योजना, वेशभूषा, प्रयोग में लाई गई हस्तमुद्रायें, रस एवं वाद्यवृंद।
इकाई-2	निम्नलिखित प्रयोगधर्मी कलाकारों का परिचय – (i) उदयशंकर (ii) मेडम मेनका (iii) रवीन्द्रनाथ टैगोर (iv) उस्ताद देबु (v) कुमुदिनी लाखिया (vi) रूक्मीणी देवी अरूण्डेल।
इकाई-3	संक्षिप्त टिप्पणी - (i) कथक नृत्य में सृजनात्मक प्रयोग – युगल, समूहनर्तन, फ्यूजन। (ii) लोक धर्मी एवं नाट्यधर्मी। (iii) वृत्ति, प्रवृत्ति
इकाई-4	जीवन परिचय – पं. कार्तिकराम, कल्याणदास, मायाराव, पं. बिरजू महाराज, विक्रम सिंह जी, सितारा देवी, गोपी कृष्ण, रोहिणी भाटे, दुर्गालाल।
इकाई-5	मध्यप्रदेश में नृत्य विषय के शिक्षण से संबंधित विभिन्न शासकीय शिक्षण संस्थाओं की जानकारी।

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर – चतुर्थ

प्रश्नपत्र – प्रथम प्रयोगिक

मंच प्रदर्शन

इकाई-1	मंच प्रदर्शन – 30 मिनिट तक नृत्तांग की तथा 15 मिनिट अभिनय की प्रस्तुति।
इकाई-2	परीक्षक द्वारा पूछे गये ताल अथवा अभिनय रचना पर भाव प्रदर्शन की क्षमता।
इकाई-3	तत्कार, बांट, लड़ी पल्टे आदि का प्रदर्शन।

सत्र - 2021 - 22

विषय – नृत्य (कथक)

सेमेस्टर – चतुर्थ

प्रश्नपत्र – प्रायोगिक द्वितीय

विविध नर्तन

इकाई-1	निम्नलिखित विशिष्ट प्रकार की परनों पर नृत्य प्रदर्शन – ऋतु परन, पक्षी परन, जाति परन, शिव परन, दुर्गा परन, गणेश परन, प्रिमलू।
इकाई-2	कजरी / चैती / ध्रुपद / भजन में से किसी एक पर भाव प्रदर्शन।
इकाई-3	ठुमरी एवं तराना।